

आदेश फलक

वाद संख्या :- 01/2023-24

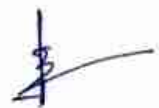
नाम :- सामुग्रह पुरी
पिता :- संग्राम पुरी
मौजा :- पायुवेडा

दिनांक	आदेश	अभ्युक्ति
1	2	3
03/05/23	आज दिनांक 03/05/23 को आवेदक <u>सामुग्रह पुरी</u> <u>संग्राम पुरी</u>, पिता- <u>संग्राम पुरी</u>, ग्राम- <u>पायुवेडा</u> के द्वारा मौजा <u>पायुवेडा</u> थाना सं- <u>197</u> खाता सं- <u>30</u>, प्लॉट सं- <u>511</u> रकबा- <u>1.51</u>, किस्म जमीन में विवाद के संबंध में <u>12 फीट सामान्य/इतर</u> आवेदन किया गया है अतः उक्त के आलोक में ईलाका मानकी/ग्रामीण मुण्डा, अंचल अमीन, राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक से जाँच प्रतिवेदन की मांग दिनांक <u>10/05/23</u> तक करें। अभिलेख दिनांक- <u>10/05/23</u> को उपस्थापित करें।  अंचल अधिकारी तांतनगर। 10/5/073 अभिज्ञेन उपस्थापित। ग्रामीण मुण्डा, राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक को जाँच प्रतिवेदन प्राप्त है जो इस प्रकार है - ① मौजा-पायुवेडा, थाना न-197 रकबा-30 हॉर 511 रकबा 1.51 ए अमीन में सामान्य कुई एवं नजीब-11 में सामान्य कुई एवं नजिब कुई जिन-पुरत से के नाम पर रजि है। अमीन रकबा सामान्य कुई को प्रकट से पुरी है परंतु अमीन में नजिब कुई जिन-	

गुरु से मिले।

- (11) प्रथम पत्रा माधुर्य पुरी विरा - मंगल पुरी द्वारा दिनेश
पत्रा जिमी हुई विरा - बसपुर से पुरी पर भोजन-
पात्रवेष्टा के स्वगत - 50 प्रति - 411 पर बने प्रभाव लडा
पदवी पदवी एवं पदवी के आदेश आदेश है ग्रामीण पुरी
ले प्राप्ति माधुर्य के अनुसार प्रथम पत्रा एवं दिनेश पत्रा
दोनों के एक ही बस बसदान के वंशज है परन्तु वर्तमान
में लगान - 30 के वर्तमान है और नगरी हुई है विरा
गुरु से मिले है जो बसपुर प्रति व बसपुर उदर है।
प्रथम पत्रा के पत्र में यह बात इस वि प्रथम पत्रा एवं
दिनेश पत्रा दोनों ही लगान - 50 के वर्तमान है और नगरी हुई
से आदेश कले हुए आदेश में निबद्ध कर रहे हैं।

ग्रामीण पुरी राज्य उन निरीक्षक और अथवा निरीक्षक के
गौरव प्रमुखता का सम्बोधन विरा व गमा सम्बोधन के सम्बन्ध
प्रति सम्बोधन दिनेश के ग्रामीण पुरी के सम्बन्ध में
दोनों पत्रा से यह निर्णय दिया गया कि जिस ग्रामीण
उपके द्वारा दावा विरा मा रहा उल्ला है और सभी गौरव
है वर्तमान में उक्त प्रति है वर्तमान है और नगरी
उई है ~~है~~ दिनेश के गौरव है इस सम्बन्ध में दोनों
पत्रा से निर्णय दिया गया कि वर्तमान है और
गौरव है उक्त प्रति पर दोनों का कोई हस्तक्षेप है
प्रतिपक्ष में अगर उक्त प्रति पर चाल-आदेश करना दो दो
विना है और है के लक्षण है इस पर चाल आदेश
नहीं करे चाल है चालि सम्बन्ध है चाल है रत्न है
निर्णय है हुए उक्त की प्रति सम्बन्ध है गई।



अंचल अधिकारी
तांतनगर